आज की मुरली पर विचार-सागर-मंथन ---------- Date: 25-07-14

कही-सुनी या सुनी-सुनाई बातों पर विश्वास न कर, स्वयं पर और परमपिता-परमात्मा पर पूरा विश्वास रख आगे बढ़ने वाले बच्चे ही इस ज्ञान-मार्ग में सफल हो सकते हैं.

कलियुग में मनुष्य ज्यादातर कही-सुनी या सुनी-सुनाई बातों पर ही विश्वास करते हैं और इसका ही नतीजा हैं की आज सारे विश्व को अविश्वास, निंदा, ईर्षा, घृर्णा जैसे विकारों ने जकड़ लिया है और एक मनुष्य का दूसरे मनुष्य पर विश्वास खो बैठा हैं.

इस ईश्वरीय ज्ञान मार्ग में भी हमें तीव्र-पुरुषार्थ कर अपनी आत्मा का अच्छा स्टेज बनाना है तो कभी भी किसी से कही-सुनी, झरमुई-झगमुई या किसी की निंदा-स्तुति की बातों पर ध्यान न दे कर, हमारा संपूर्ण फोकस अपने ऊपर ही रखना हैं.

आज भी ब्रहमाकुमारीस के लिए कई बातें लोग कहते हैं, जैसे की यहॉ भाई-बहन बनाते हैं या आंखों से जादू करते हैं....लेकिन हम जो बाबा के बच्चे है, जानते हैं की यह तो स्वयं परमपिता-परमात्मा शिव द्वारा स्थापित बेहद का ज्ञान-रुद्र-यज्ञ है जिसे इस विश्व की सर्व आत्माओं का कल्याण होना हैं और इस पुरानी दुनिया का विनाश हो नई दुनिया स्थापन होनी ही हैं और हम सब अभी उस नयी दुनिया में जाने के लिए पुरुषार्थ कर रहे हैं.

इस पर मुझे, गुलजार दादी की एक बात याद आती हैं, दादी हमेशा क्लास में कहती हैं, "सोचो, आपको यहॉ कोन लेकर आया? बाबा लेकर आया ने. देखो आप जहॉ रहते हो वहॉ आस-पास कितने और लोग भी हैं फिर भी बाबा को आप ही क्यू पसंद आये? क्योंकि बाबा जानता हैं, यही मेरे कल्प पहले वाले सिकिलधे बच्चे हैं." ये बात ब्रहमाकुमारीस में आये मैजोरिटी आत्माओं के लिए सही हैं की उन्हें बाबा का डायरैक्ट मैसेज या कहे परमात्मा का टंचीग होने से ही आये हैं.

जब हम स्वयं परमात्मा के बुलाने से यहॉ आये हैं तो फिर हमें दूसरों को देखना ही क्यों चाहिए? दूसरे कैसे भी हो, किसी के भी संस्कार को देखकर मुझे अपनी स्थिति बिगाडनी नहीं हैं.

अंदर में स्वयं पर पूरा विश्वास रखना हैं की में ही सतयुग में प्रिन्स-प्रिन्सेस या राज्य-अधिकारी या साहूकार या और कोई ऊंच पद प्राप्त करूंगा और मेरा पार्ट भी श्रीकृष्ण के साथ शुरू होना हैं और इसको ध्यान में रख अपना पुरुषार्थ सदा तीव्र गति का रखना हैं.

बाप पर भी पूरा विश्वास हो की बाबा ही मुझे इस ज्ञान-मार्ग में लाने वाले हैं और वही मुझे मेरी मंज़िल तक पहुँचायेंगे. स्वयं पर और बाप पर पूरा विश्वास रख चलने वाले ही इसमें विजयी बनेंगे. ॐ शांति. Please provide feedback to Atma Bhai on email: a.brahmin.soul@gmail.com .